Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 11th POLITY

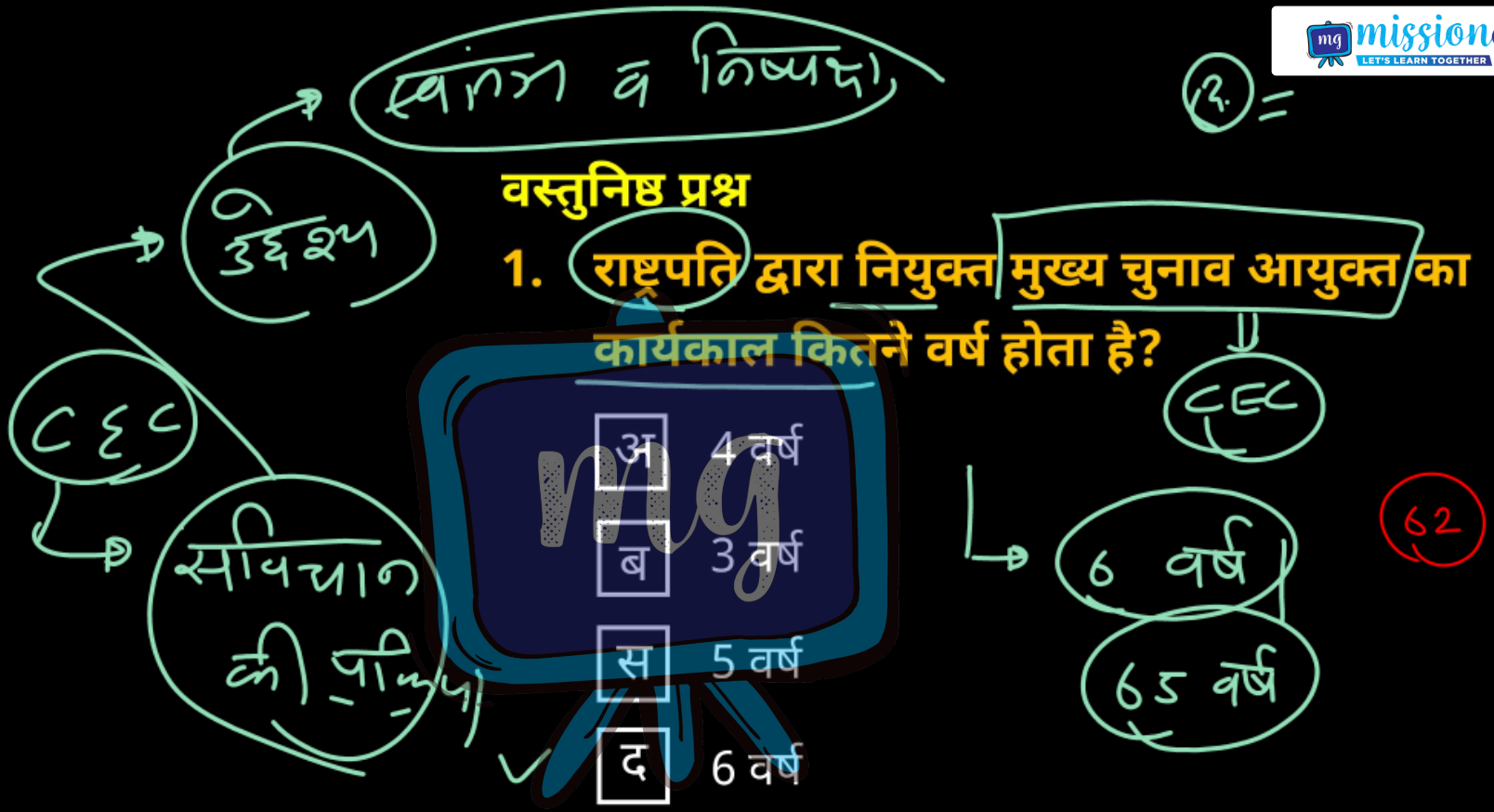
चुनाव और प्रतिनिधित्व

RAPID REVISION



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वस्तुनिष्ठ प्रश्न

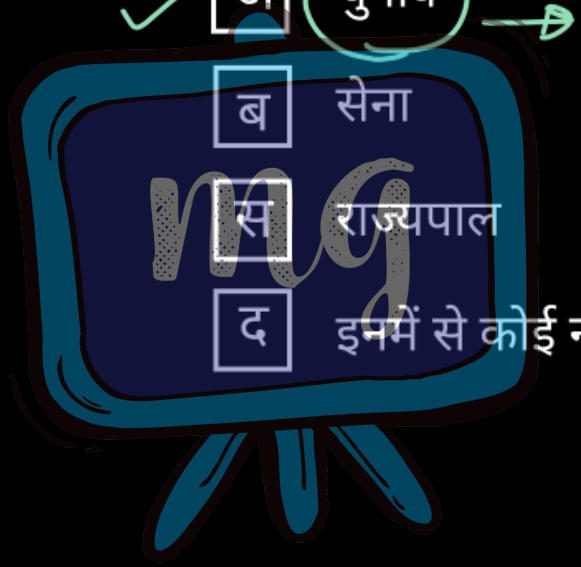
1. राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल कितने वर्ष होता है?

अ 4 वर्ष
ब 3 वर्ष
स 5 वर्ष
द 6 वर्ष

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

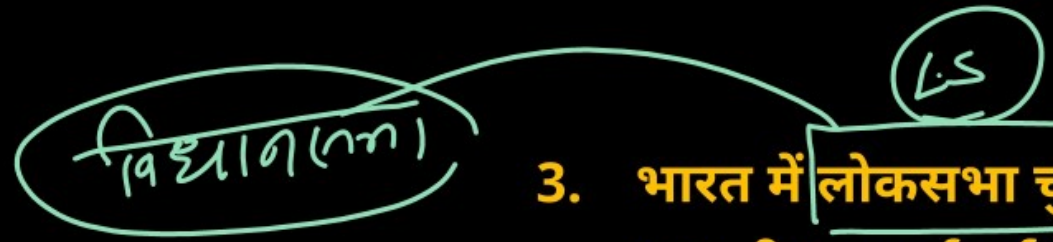
2. हमारे लोकतांत्रिक जीवन के अंग बन गए हैं



- अ चुनाव
- ब सेना
- स राज्यपाल
- द इनमें से कोई नहीं

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



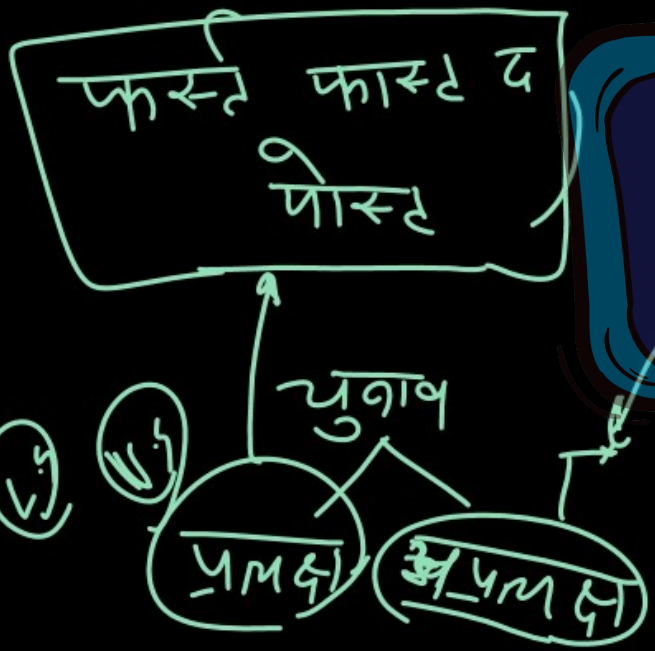
3. भारत में लोकसभा चुनावों के लिए कौन-सी निर्वाचन प्रणाली अपनाई गई है?

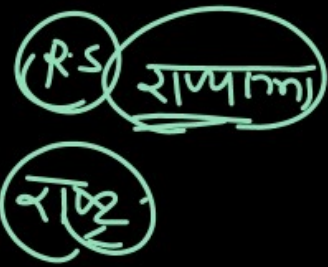
अ सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली

ब समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली

स एकल संक्रमणीय मत प्रणाली

द पृथक निर्वाचन मंडल प्रणाली





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. निम्नलिखित में से किस देश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली अपनाई गई है?

अ भारत

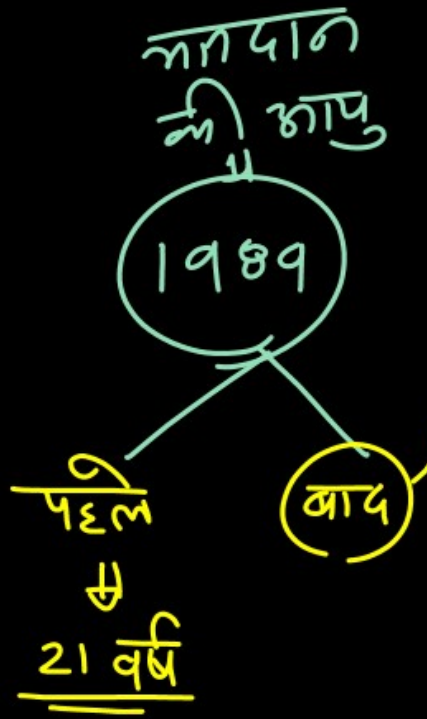
ब यूनाइटेड किंगडम

स इजराइल

द इनमें से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. भारत में मतदान करने के लिए न्यूनतम आयु कितनी निर्धारित है?

अ 16 वर्ष

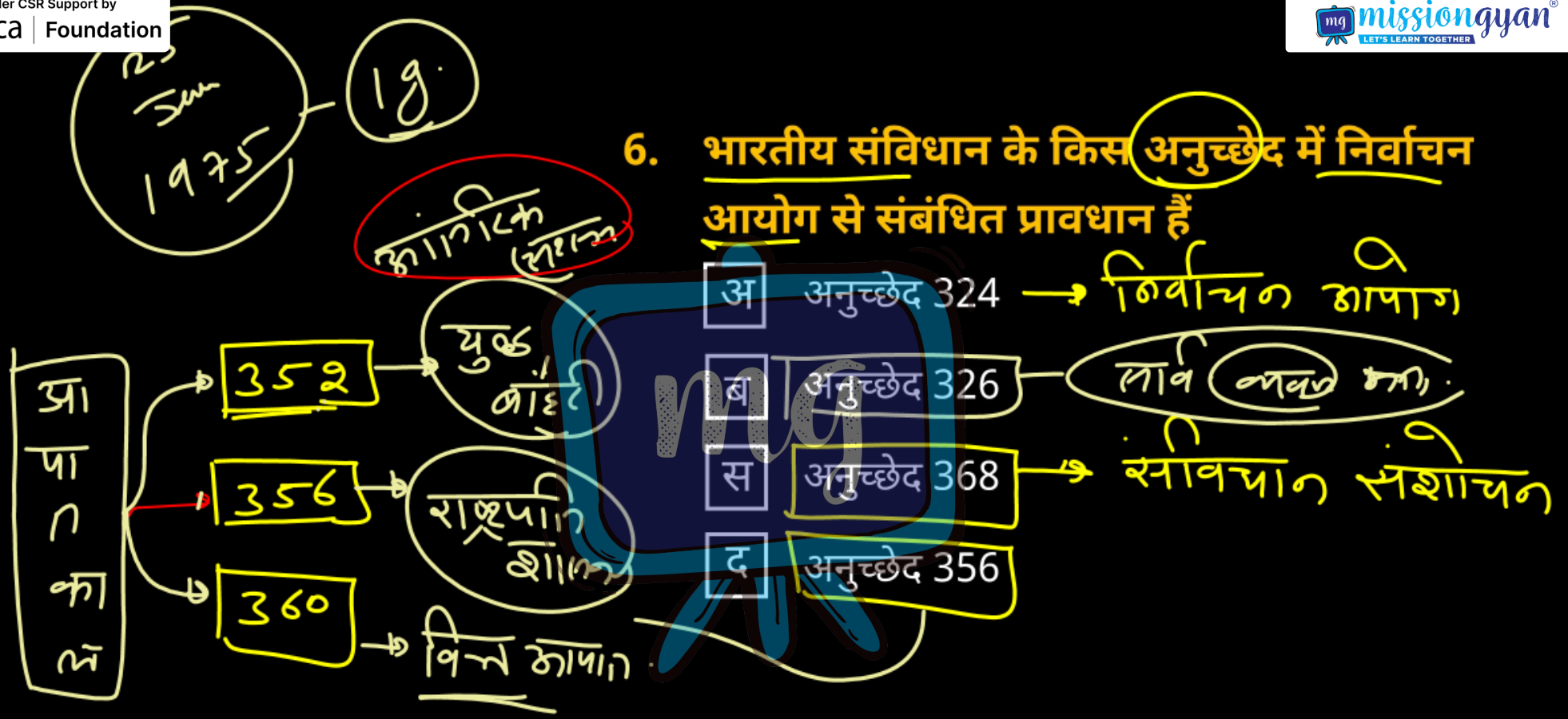
ब 18 वर्ष

स 21 वर्ष

द 25 वर्ष

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

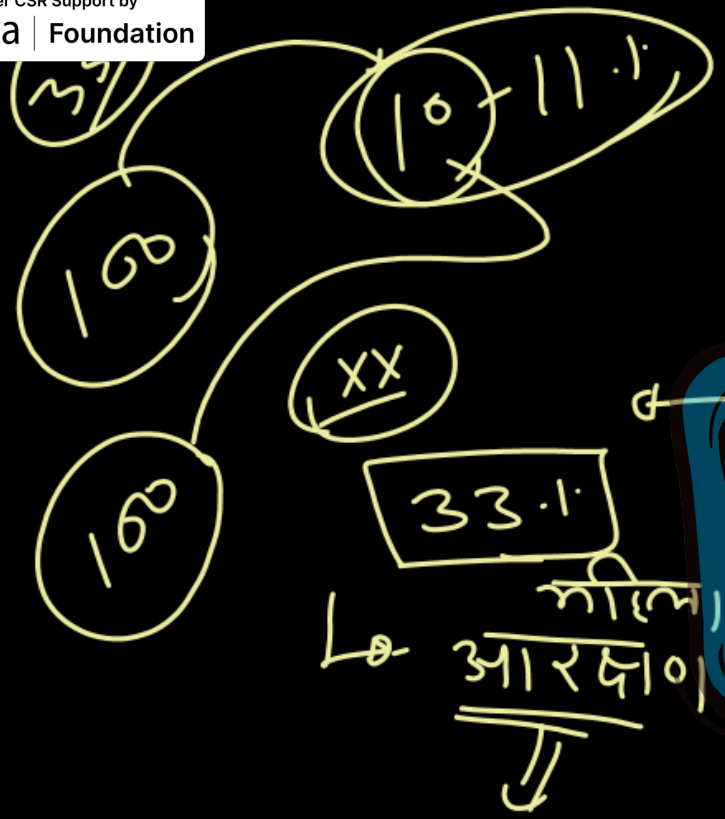


6. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रावधान हैं

अ	अनुच्छेद 324	→ निर्वाचन आयोग
ब	अनुच्छेद 326	→ सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार
स	अनुच्छेद 368	→ संविधान संशोधन
द	अनुच्छेद 356	

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



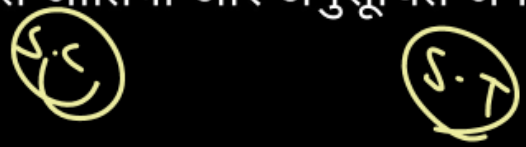
7. **भारत में लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में किन वर्गों के लिए निर्वाचन क्षेत्रों के आरक्षण की व्यवस्था की गई है?**

अ केवल महिलाओं के लिए

ब केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए

स केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए

द अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारत में राज्यसभा के सदस्यों के चुनाव में कौन-सी प्रणाली अपनाई जाती है?

अ सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली

ब एकल संक्रमणीय मत प्रणाली

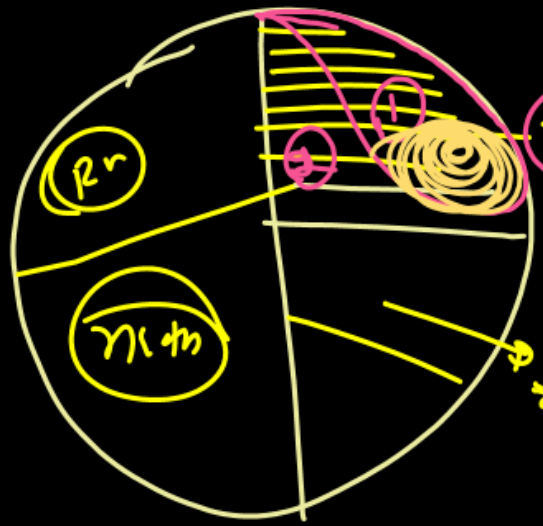
स पृथक निर्वाचन मंडल प्रणाली

द प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. भारत में निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएँ निर्धारित करने का कार्य किस आयोग द्वारा किया जाता है?

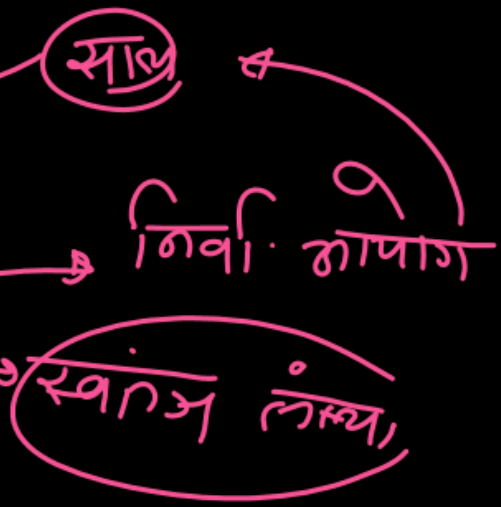


अ वित्त आयोग

ब निर्वाचन आयोग

स परिसीमन आयोग

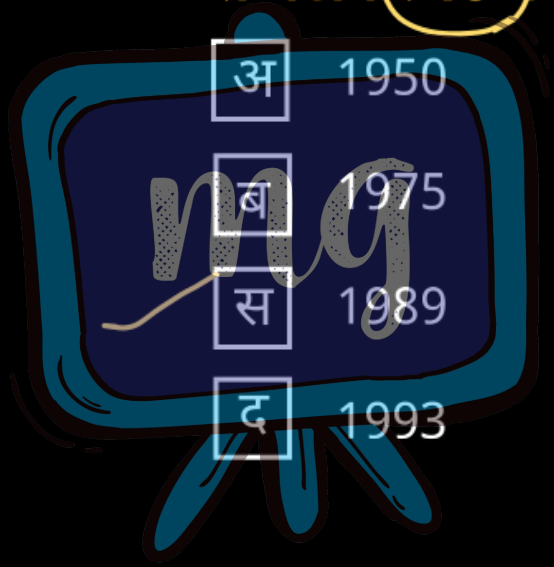
द इनमें से कोई नहीं



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. भारत में किस वर्ष मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई



अ 1950

ब 1975

स 1989

द 1993

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थान

1. मुख्य निर्वाचन आयुक्त _____ की अध्यक्षता करता है।

⇓

निर्वाचन आयोग



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

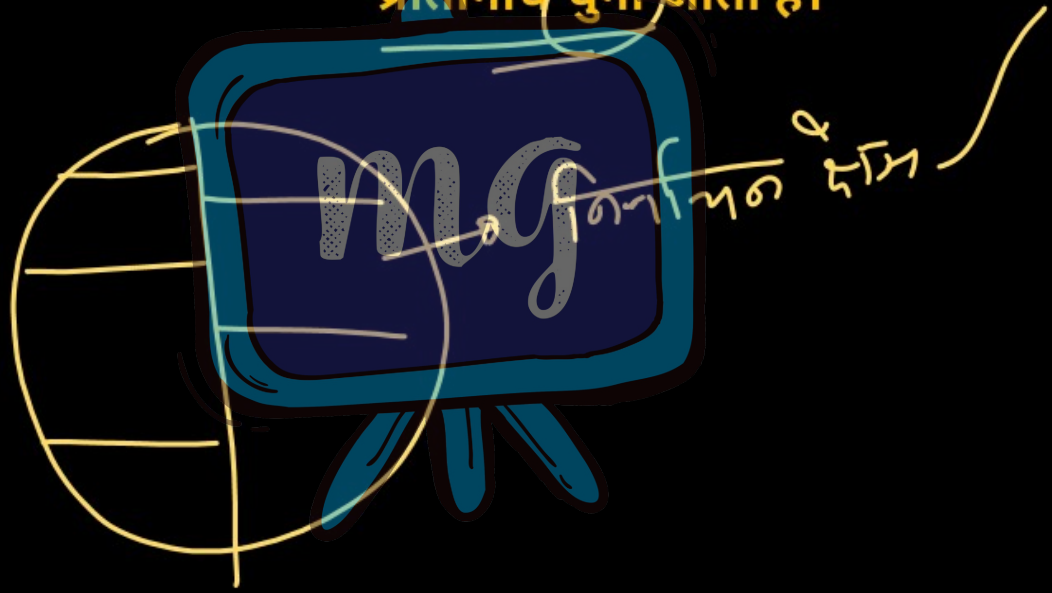
2. भारत में मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 1989 वर्ष कर दी गई।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

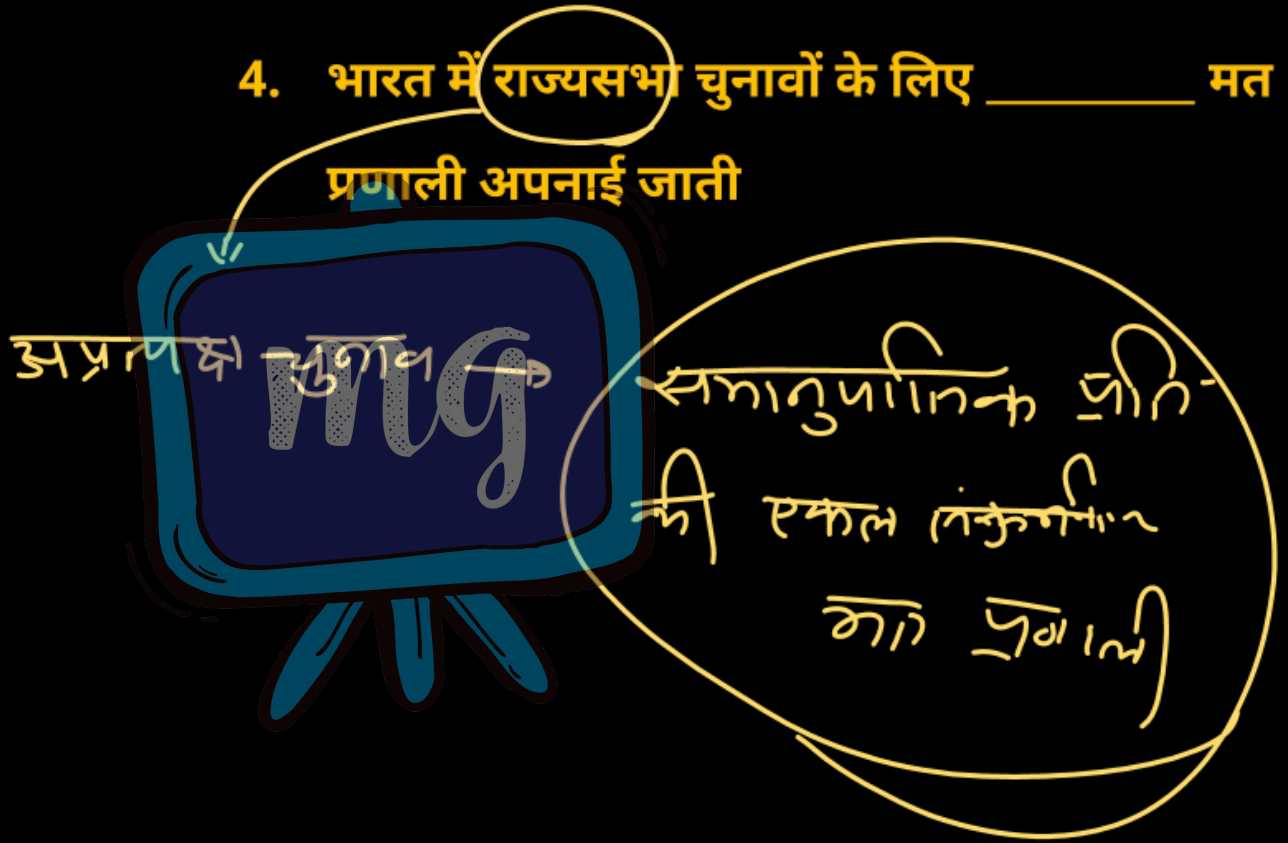
3. भारत में लोकसभा के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से 1 प्रतिनिधि चुना जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. भारत में राज्यसभा चुनावों के लिए _____ मत प्रणाली अपनाई जाती



Under CSR Support by
ipca | Foundation

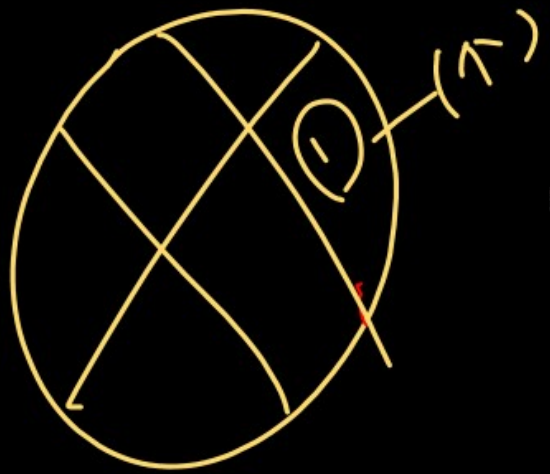
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएँ निर्धारित करने के लिए _____ आयोग का गठन किया जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



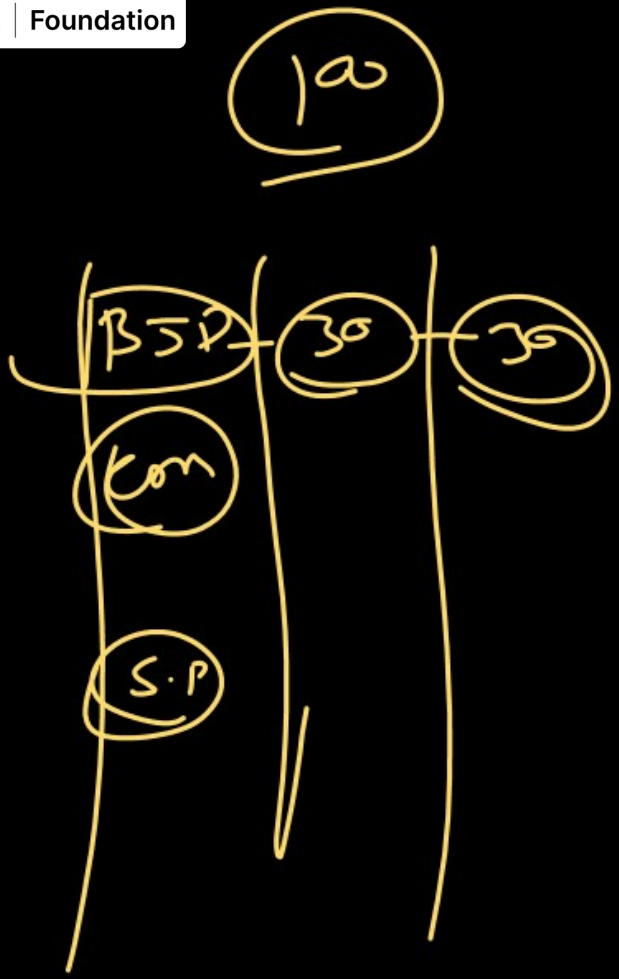
अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' सिस्टम प्रणाली का अर्थ क्या है?

उत्तर: वह निर्वाचन प्रणाली जिसमें किसी निर्वाचन क्षेत्र में अन्य सभी प्रत्याशियों से अधिक मत प्राप्त करने वाला प्रत्याशी विजयी घोषित होता है, फर्स्ट पास्ट द पोस्ट प्रणाली कहलाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

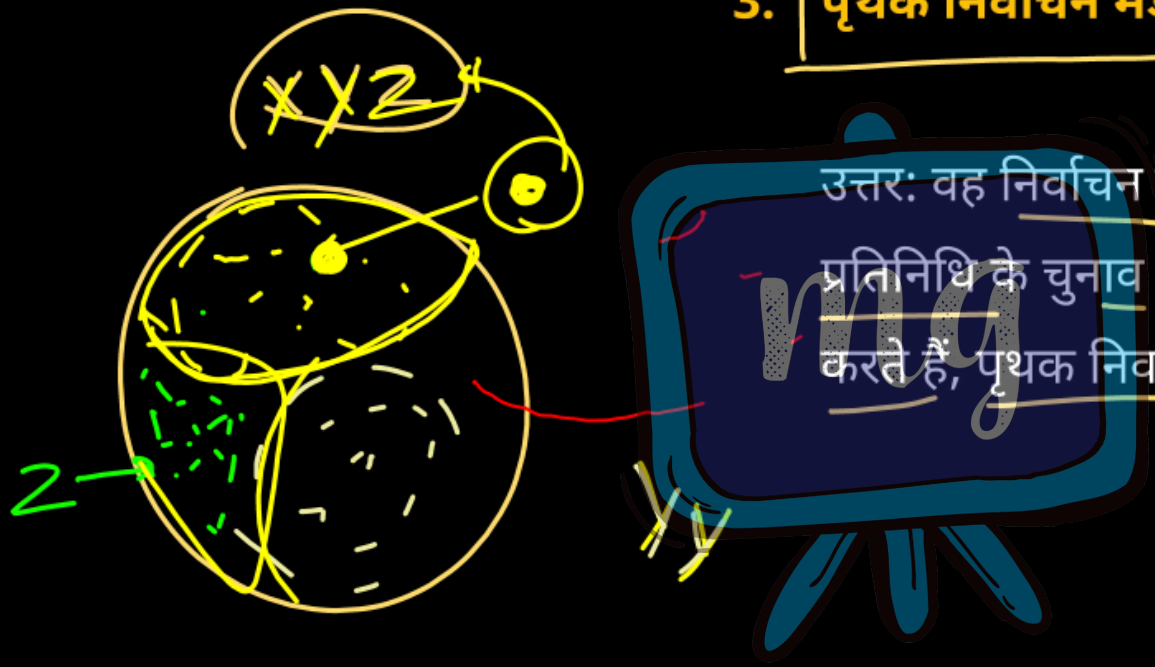


2. समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: वह निर्वाचन प्रणाली जिसमें राजनीतिक दलों को उनके प्राप्त मतों के अनुपात में विधायिका की सीटें दी जाती हैं, समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली कहलाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. पृथक निर्वाचन मंडल किसे कहते हैं?

उत्तर: वह निर्वाचन व्यवस्था जिसमें किसी विशेष समुदाय के प्रतिनिधि के चुनाव में केवल उसी समुदाय के मतदाता मतदान करते हैं, पृथक निर्वाचन मंडल कहलाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

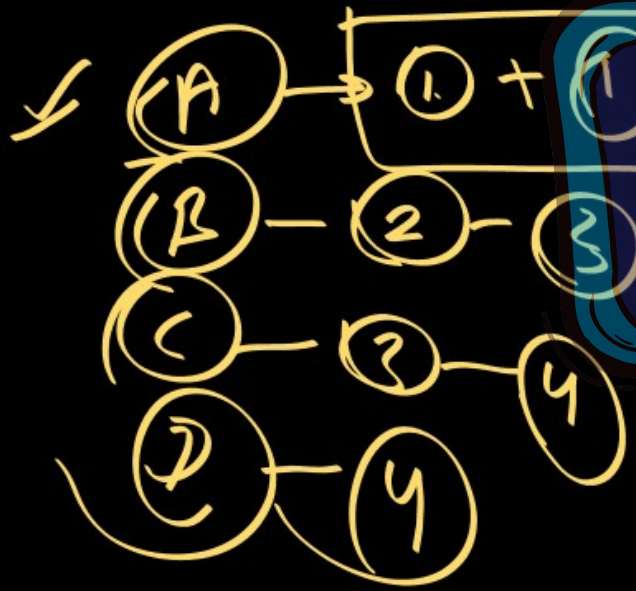
4. भारत में किन दो सामाजिक वर्गों के लिए निर्वाचन क्षेत्रों में आरक्षण की व्यवस्था है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. एकल संक्रमणीय मत प्रणाली में मतदाता अपनी पसंद किस प्रकार व्यक्त करता है?



उत्तर: मतदाता चुनाव में खड़े प्रत्याशियों को अपनी पसंद के अनुसार वरीयता क्रम में रखकर मत देता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

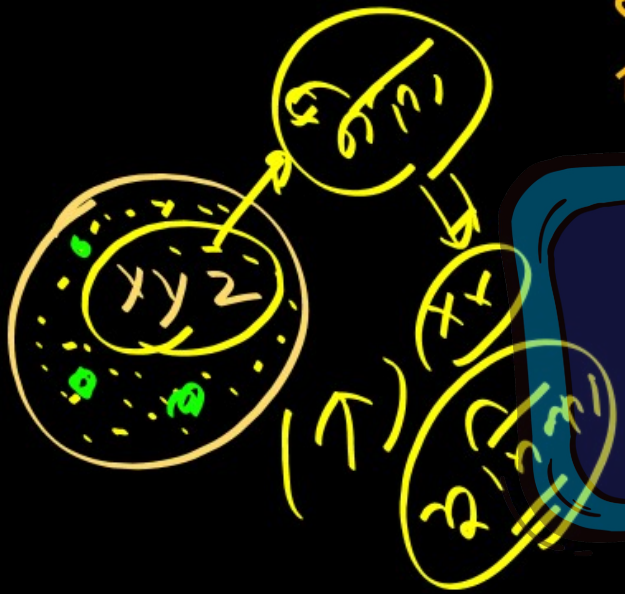
5. एकल संक्रमणीय मत प्रणाली में मतदाता अपनी पसंद किस प्रकार व्यक्त करता है?



उत्तर: मतदाता चुनाव में खड़े प्रत्याशियों को अपनी पसंद के अनुसार वरीयता क्रम में रखकर मत देता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. भारत में चुनाव प्रक्रिया सुधार हेतु कोई दो सुझाव दीजिए।

उत्तर:

1. चुनावी खर्च पर नियंत्रण — चुनावी राजनीति में धन के प्रभाव को सीमित करने के लिए चुनाव खर्च के नियम अधिक कठोर बनाए जाएँ तथा सरकार एक विशेष निधि से चुनाव खर्च के भुगतान की व्यवस्था करे।
2. राजनीतिक दलों में सुधार — राजनीतिक दलों की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक बनाने के लिए प्रभावी कानूनी प्रावधान बनाए जाएँ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. सार्वभौम मताधिकार से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर: सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वह व्यवस्था है जिसके अंतर्गत देश के सभी पात्र वयस्क नागरिकों को बिना भेदभाव के मतदान का अधिकार प्राप्त होता है।

इसकी प्रमुख विशेषताएँ—

1. समान अधिकार — सभी पात्र वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है।
2. न्यूनतम आयु — भारत में मतदान की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. भेदभाव का अभाव — मतदान का अधिकार आय, शिक्षा, वर्ग या लिंग के आधार पर प्रतिबंधित नहीं होता।
4. लोकतांत्रिक सहभागिता — नागरिक अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर सकते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली और समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली में प्रमुख अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधार	सर्वाधिक मत से जीत	समानुपातिक प्रतिनिधित्व
निर्वाचन क्षेत्र	सामान्यतः छोटे भौगोलिक क्षेत्र	बड़े या बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र
प्रतिनिधि	प्रत्येक क्षेत्र से एक प्रतिनिधि	एक क्षेत्र से अनेक प्रतिनिधि चुने जा सकते हैं
मतदान	मतदाता प्रत्याशी को वोट देता है	दलीय सूची प्रणाली में मतदाता राजनीतिक दल को वोट देता है
सीट वितरण	विजयी प्रत्याशियों के आधार पर	दलों को मतों के अनुपात में सीटें मिलती हैं
उदाहरण	भारत में लोकसभा चुनाव	इजराइल की राष्ट्रीय विधायिका के चुनाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. भारत में सर्वाधिक मत से जीत की निर्वाचन प्रणाली अपनाए जाने के प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली अपनाई गई है। इस व्यवस्था में अन्य प्रत्याशियों की तुलना में सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाला उम्मीदवार निर्वाचित होता है।

प्रमुख कारण:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. सरल निर्वाचन प्रक्रिया — यह प्रणाली सामान्य मतदाताओं के लिए समझने में आसान है।
2. प्रत्याशी का स्पष्ट चुनाव — मतदाता सीधे किसी प्रत्याशी के पक्ष में अपना मत दे सकता है।
3. प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व — प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक निश्चित प्रतिनिधि चुना जाता है।
4. उत्तरदायित्व — मतदाता अपने क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधि को पहचानकर उससे जवाबदेही की माँग कर सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. स्थायी सरकार — इस प्रणाली में बड़े दलों या गठबंधनों को अतिरिक्त सीटें मिलने की संभावना रहती है, जिससे स्पष्ट बहुमत वाली सरकार बन सकती है।
6. संसदीय व्यवस्था के अनुकूल — संविधान निर्माता ऐसी प्रणाली चाहते थे जिसमें कार्यपालिका को विधायिका में बहुमत प्राप्त हो सके।
7. सामाजिक एकता — विभिन्न सामाजिक समुदायों को साथ लेकर चुनाव जीतने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है।
8. व्यावहारिक सुविधा — भारत जैसे विशाल देश में यह प्रणाली मतदाताओं के लिए अपेक्षाकृत सरल और परिचित है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. भारतीय निर्वाचन आयोग के प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारतीय निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत इसे चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण करने का अधिकार दिया गया है।

निर्वाचन आयोग के प्रमुख कार्य:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. मतदाता सूची तैयार करना — आयोग मतदाता सूचियों की तैयारी एवं शुद्धता का ध्यान रखता है।
2. चुनाव कार्यक्रम तय करना — चुनाव की अधिसूचना, नामांकन, मतदान, मतगणना तथा परिणाम की घोषणा का कार्यक्रम निर्धारित करता है।
3. स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव — आयोग चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्णय लेता है।
4. चुनाव स्थगित या रद्द करना — निष्पक्ष चुनाव संभव न होने की स्थिति में चुनाव स्थगित या रद्द कर सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. दोबारा चुनाव एवं मतगणना — आवश्यक होने पर दोबारा चुनाव या मतगणना का आदेश दे सकता है।
6. आदर्श आचार संहिता — राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू करता है।
7. राजनीतिक दलों को मान्यता — आयोग राजनीतिक दलों को मान्यता देता है तथा उन्हें चुनाव चिह्न आवंटित करता है।
8. प्रशासनिक नियंत्रण — चुनाव कार्यों में लगे अधिकारियों के कार्यों को नियंत्रित कर सकता है और आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई कर सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. भारत में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की आवश्यकता एवं आरक्षण व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: भारत में विभिन्न सामाजिक समुदायों का उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को आरक्षित करने की व्यवस्था की गई है।

आरक्षण की आवश्यकता एवं व्यवस्था:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. सामाजिक असमानता — भारत में जाति आधारित भेदभाव और सामाजिक असमानता का इतिहास रहा है।
2. कमजोर समूहों का प्रतिनिधित्व — सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली में छोटे और वंचित समुदायों का प्रतिनिधित्व सीमित हो सकता है।
3. संवैधानिक प्रावधान — संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था की गई है।
4. साझा मतदान व्यवस्था — आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में सभी पात्र मतदाता वोट देते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. प्रत्याशी का आरक्षण — आरक्षित सीट से संबंधित अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का प्रत्याशी ही निर्वाचित हो सकता है।
6. परिसीमन आयोग — आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण में परिसीमन आयोग की भूमिका होती है।
7. जनसंख्या का आधार — आरक्षण का निर्धारण संबंधित समूहों की जनसंख्या के अनुपात को ध्यान में रखकर किया जाता है।
8. पृथक निर्वाचन मंडल से भिन्नता — आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का अधिकार केवल संबंधित समुदाय तक सीमित नहीं होता।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सुमेलित कीजिए

1. निम्नलिखित संस्थाओं एवं उनके कार्यों का सुमेलन कीजिए।

स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
(i) निर्वाचन आयोग	(अ) निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएँ निर्धारित करना
(ii) परिसीमन आयोग	(ब) निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करना
(iii) राष्ट्रपति	(स) आयोग की अध्यक्षता करना
(iv) मुख्य निर्वाचन आयुक्त	(द) चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर — सही सुमेलन:

स्तम्भ (अ)	सही मिलान
(i) निर्वाचन आयोग	(द) चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण
(ii) परिसीमन आयोग	(अ) निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएँ निर्धारित करना
(iii) राष्ट्रपति	(ब) निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करना
(iv) मुख्य निर्वाचन आयुक्त	(स) आयोग की अध्यक्षता करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

व्याख्या: निर्वाचन आयोग चुनाव संचालन की स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। परिसीमन आयोग निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के निर्धारण से संबंधित है। निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और मुख्य निर्वाचन आयुक्त आयोग की अध्यक्षता करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित वर्षों एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं का सुमेलन कीजिए।

स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
(i) वर्ष 1989	(अ) निर्वाचन आयोग से संबंधित संवैधानिक प्रावधान
(ii) अनुच्छेद 324(1)	(ब) मुख्य निर्वाचन आयुक्त की कार्यकाल संबंधी सीमा
(iii) 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु	(स) न्यूनतम मतदान आयु 18 वर्ष करना
(iv) वर्ष 1984 का लोकसभा चुनाव	(द) कांग्रेस को 48 प्रतिशत मत और 415 सीटें

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर — सही सुमेलन:

स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
(i) वर्ष 1989	(स) न्यूनतम मतदान आयु 18 वर्ष करना
(ii) अनुच्छेद 324(1)	(अ) निर्वाचन आयोग से संबंधित संवैधानिक प्रावधान
(iii) 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु	(ब) मुख्य निर्वाचन आयुक्त की कार्यकाल संबंधी सीमा
(iv) वर्ष 1984 का लोकसभा चुनाव	(द) कांग्रेस को 48 प्रतिशत मत और 415 सीटें

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

व्याख्या:

1. 1989 — मतदान की न्यूनतम आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई।
2. अनुच्छेद 324(1) — निर्वाचन आयोग की शक्तियों और दायित्वों का संवैधानिक प्रावधान है।
3. कार्यकाल — अध्याय के अनुसार मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो पहले हो, निर्धारित है।
4. 1984 का चुनाव — कांग्रेस को 48 प्रतिशत मत प्राप्त होने पर लोकसभा की 415 सीटें मिली थीं।